भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
केन्द्रीय कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

जनता के सामने सच्चाई पेश करोगे तो दूसरे ही पल तुम्हारी सत्ता ढह जायेगी!

हमारे बयान में उल्लेखित तथ्यों को स्वीकारने से रवींद्र कदम की नौकरी की होगी अलविदा!!

अंतर्राष्ट्रीय कामगार दिवस 'एक मई' के दिन मैं अपनी केन्द्रीय कमेटी की तरफ से ''पुलिस व अर्ध्द सैनिक बलों से अपील'' करते हुए एक बयान जारी किया था। इस बयान को अपने–अपने पत्रिकाओं व अखबारों में छापने वाले प्रबंधन के प्रति आभार प्रकट करता हूं। उस बयान में मैंने जो जमीनी हकीकतों को दर्शाया, महाराष्ट्र के नागपुर रेंज महा निदेशक रवीन्द्र कमद ने उन्हें खारिज कर दिया था। मीडिया के माध्यम से उसका खण्डन भी किया। मैं एक बार फिर यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि उस बयान में मैंने जो तथ्य पेश किए थे वे शत–प्रतिशत सही हैं। मेरे उस बयान में जो यथार्थ नहीं है, उन्हें रवींद्र कदम साबित करें। हमारा बयान अभी भी banned thought...Org सहित तमाम साइटों पर सुरक्षित है। देश के नामी बुध्दिजीवियों, जनवादी प्रेमियों, लेखकों, कलाकारों, सरकारी कर्मचारियों सहित खास रूप से पुलिस कर्मियों से मेरी अपील है कि कृपया आप उस बयान को जरूर पढ़िये।

उस बयान में जिक्र कौन से तथ्य को रवींद्र कदम नकार सकेगा?

1. तमाम पुलिस व अर्ध्द सैनिक बलों के जवानों का बुनियाद, कामगार वर्ग से नहीं है क्या?
2. अनेक घोटालों में लिप्त देश के नामी–गिरामी नेतागण जेल के सलाकों के पीछे भेजने की जगह सुरक्षा देने के बहाने पुलिस जवानों को इन कुख्यात नेताओं की सेवा में लगाया नहीं जाता हैं क्या?
3. भूतपूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह पर लगा कोलगेट घोटाले का आरोप झूठ है क्या?
4. वर्ष 2002 में गुजरात नरसंहार में मुसलमान भाईयों के कत्लेआम, उनके पलायन, बाद में अमेरिका सहित तमाम यूरोपीय देशों द्वारा मोदी पर प्रतिबंध लगाने की बात से क्या आईजी कदम अनभिज्ञ है! बताओ कदम! इसमें झूठ क्या है?
5. वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी के एलपीजी नीतियों के तहत कार्पोरेट अनुकूल मेक इन इंडिया, जिससे आदिवासी तथा किसानों की फसल, जमीन व जंगलों से बेदखल होने की बात सच नहीं है तो देश के करोड़ों लोग इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? भूमि अधिग्रहण विधेयक को कानून बनाने केन्द्र इतना मशक्कत क्यों कर ही है, रवीन्द्र कदम इसे नकार सकेगा?
6. इस देश में संघ परिवार गिरोहों द्वारा मुसलमान, ईसाई व अल्पसंख्यक आबादी पर जारी हंतक हमलों को अपनी खाकी सोच के चलते कदम नकार भी सकेगा। लेकिन दुनिया की आंखों को बंद कर पायेगा?
7. 2013, 2014 सालों में अर्ध्द सैनिक बलों द्वारा नौकरी छोड़ने की बात कैसे नकार सकेगा! अपने खाकी बलों का मनोबल बचाने के एवज में नकार भी सकेगा?
8. इस देश के एक तिहाई सांसदों पर अपराधों में लिप्त होने के आरोपों को नकार सकेगा?
9. न्यूनतम सुविधाओं के अभाव में खाकी बलों द्वारा अपना ड्यूटि पूरा करने में आने वाली परेशानियों को नकार पायेगा?
10. छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा केन्द्र बलों पर खर्च होने वाली राशि 2500 करोड़ को खर्च करने पर अपनी असमर्थता जाहिर करने की बात को रवीन्द्र कदम नकार सकेगा?

मेरे बयान में मुख्य रूप में यही तथ्य थें। इन तथ्यों का उल्लेख मैं हमारी पार्टी के दस्तावेजों से नहीं किया। इन तथ्यों को खारिज करने वाले आईजी कदम मीडिया में प्रसारित व प्रकाशित तमाम खबरों को नकारने से पहले निम्न लिखित साईटों की जांच करे और बाद में अपना फैसला सुनाये तो तब उचित

रहेगा।

1. IPCS.Org में Red affairs में बिभु प्रसाद आर्टिकल 1.12.2014
2. Sanhati.com. मेरिटारियस सर्विस अवार्ड टू SPR कल्लूरी – कनसर्नड सिटिजन्र्स 27.1.2013
3. Sanhati.com. - Don't like facts, change facts on the ground'
4. Tehelka.com 1. बुलेटिन 50 13.12.2014
   2. प्रियांका कौशल 31.12.2014 रिपोर्ट
5. force in india.net Push against the wall गजल वाहब का लेख
6. BBC.hindi.com गोलियों से नहीं आत्महत्याओं मरे 15.5.2015
7. Zeenews.india.comHeart attacks, sicide killings more....12.1.15
8. New Indian Express Police vs Maoists _ Yatish Yadav 28.4.15

उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर कदम के झूठे आरोपों को खण्डन करने का अपील तमाम पाठकों से करता हूं।

पेसा कानून के प्रति कदम को थोड़ी भी कदर होगी तो उडेरा गांव की रहवासी मैनी बाई पुंगाटि के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले दोषियों को सजा देने का आश्वासन गांव वासियों को देना चाहिए था। 17 मई 2015 को महाराष्ट्र राज्य के गड़चिरोली जिला उडेरा गांव की रहवासी मैनी पुंगाटि(40 वर्ष) पर माओवादी का झूठा आरोप लगाते हुए तुम्हारे बहादुर सी–60 कमाण्डो ने उनकी बुरी तरह से मारपीट करना ही नहीं उनकी बेइज्जती भी की। दोषियों को आईपीसी 307 के मुताबिक मामला दर्ज करने की मांग पर एटापल्ली तहसील के नागरिक बड़े पैमाने पर एकत्रित होकर न्याय की गुहार लगाई तो तब उस पर तुम्हारा पुलिस प्रशासन और तुम कौन सा रुक अपनाये हो, जनता के सामने सच बताओ।

कदम जी! तुम जब तक खाकी वर्दी में रहोगे, तुम्हारे बलों का मनोबल बचाने के लिए ऐसी कसरत करनी ही पड़ेगी। लेकिन जब तुम वर्दी उतार दोगे तब पल–पल पछताओगे। तुम्हारी अदालत के कटघरे में खड़े होकर गीता पर हाथ रखकर देने वाले गवाहों में जितनी सच्चाई होगी, आपके बयान में ही उतना ही सच्चाई होगी। तुम यदि अपनी अंतरात्मा के साक्षीभूत सब कुछ सच बोलोगे तो तुम्हारी नौकरी की अलविदा होगी।

Abhay

(अभय)
प्रवक्ता, केन्द्रीय कमेटी
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

दिनांक: 20 जुलाई 2015